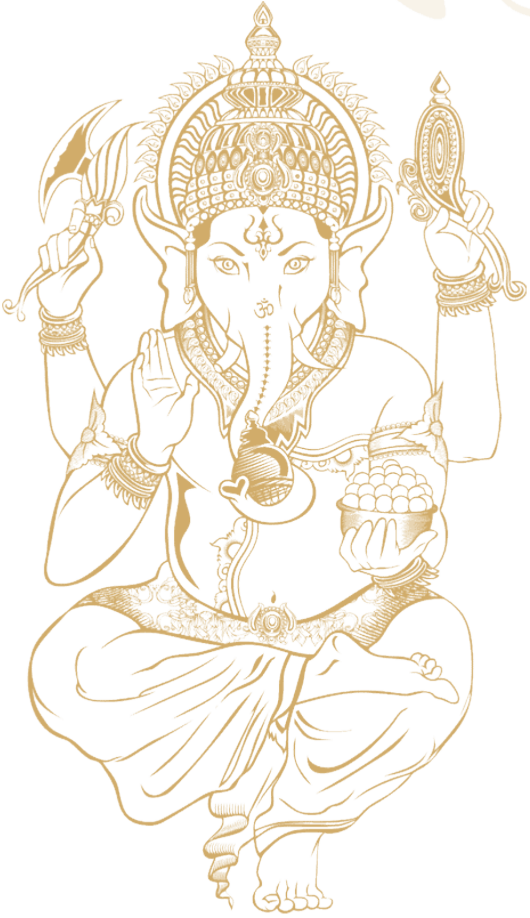

Mr.

10 Jan 1961

01:55 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120954405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/01/1961**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:55:00 घंटे**
इष्ट	46:38:18 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:31:20 घंटे
वेलान्तर	-00:07:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:47:51 घंटे
सूर्योदय	07:15:40 घंटे
सूर्यास्त	17:45:55 घंटे
दिनमान	10:30:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:03:00 धनु
लग्न के अंश	13:37:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:37:06	312:19:09	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			धनु	26:03:00	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	22:48:12	12:44:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल	व		मिथु	11:31:28	00:20:27	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	धनु	28:27:02	01:39:01	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु		अ	धनु	22:50:22	00:13:58	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	11:58:20	01:06:53	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	धनु	27:18:59	00:07:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
राहु			सिंह	14:01:18	00:00:23	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	14:01:18	00:00:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		सिंह	01:48:12	00:01:58	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
नेप			तुला	17:42:21	00:01:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो	व		सिंह	14:35:01	00:00:54	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	16:12:39	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:40

लग्न-चलित

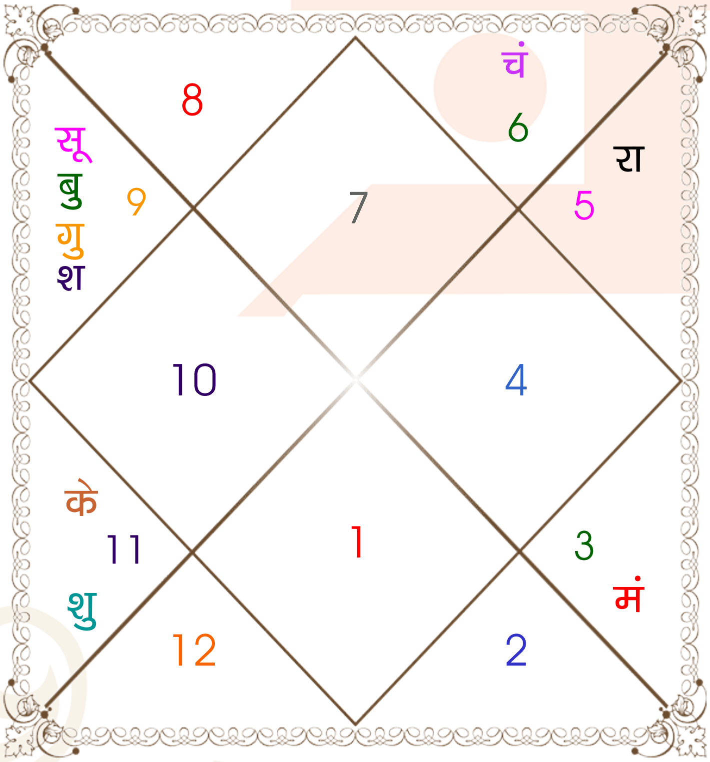

चन्द्र कुंडली

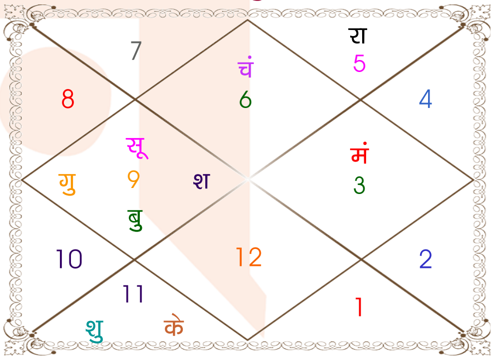

नवमांश कुंडली

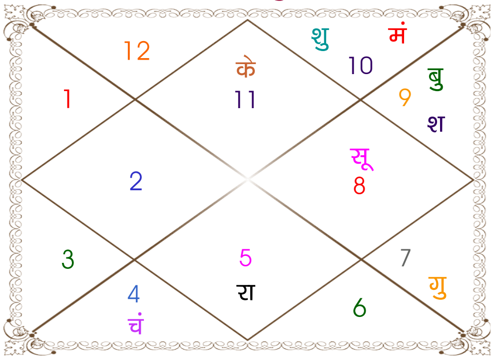

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 4 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
10/01/1961	**04/06/1961**	**03/06/1968**	**04/06/1986**	**04/06/2002**
04/06/1961	**03/06/1968**	**04/06/1986**	**04/06/2002**	**04/06/2021**
00/00/0000	मंगल 31/10/1961	राहु 15/02/1971	गुरु 22/07/1988	शनि 07/06/2005
00/00/0000	राहु 18/11/1962	गुरु 10/07/1973	शनि 02/02/1991	बुध 15/02/2008
00/00/0000	गुरु 25/10/1963	शनि 16/05/1976	बुध 10/05/1993	केतु 26/03/2009
00/00/0000	शनि 03/12/1964	बुध 04/12/1978	केतु 16/04/1994	शुक्र 25/05/2012
00/00/0000	बुध 30/11/1965	केतु 22/12/1979	शुक्र 15/12/1996	सूर्य 07/05/2013
00/00/0000	केतु 28/04/1966	शुक्र 22/12/1982	सूर्य 03/10/1997	चंद्र 07/12/2014
00/00/0000	शुक्र 29/06/1967	सूर्य 16/11/1983	चंद्र 02/02/1999	मंगल 15/01/2016
10/01/1961	सूर्य 03/11/1967	चंद्र 16/05/1985	मंगल 09/01/2000	राहु 21/11/2018
सूर्य 04/06/1961	चंद्र 03/06/1968	मंगल 04/06/1986	राहु 04/06/2002	गुरु 04/06/2021

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
04/06/2021	**04/06/2038**	**04/06/2045**	**04/06/2065**	**04/06/2071**
04/06/2038	**04/06/2045**	**04/06/2065**	**04/06/2071**	**10/01/2081**
बुध 31/10/2023	केतु 31/10/2038	शुक्र 03/10/2048	सूर्य 21/09/2065	चंद्र 04/04/2072
केतु 28/10/2024	शुक्र 31/12/2039	सूर्य 03/10/2049	चंद्र 23/03/2066	मंगल 03/11/2072
शुक्र 28/08/2027	सूर्य 07/05/2040	चंद्र 04/06/2051	मंगल 29/07/2066	राहु 05/05/2074
सूर्य 04/07/2028	चंद्र 06/12/2040	मंगल 03/08/2052	राहु 23/06/2067	गुरु 04/09/2075
चंद्र 03/12/2029	मंगल 04/05/2041	राहु 04/08/2055	गुरु 10/04/2068	शनि 04/04/2077
मंगल 01/12/2030	राहु 23/05/2042	गुरु 04/04/2058	शनि 23/03/2069	बुध 03/09/2078
राहु 19/06/2033	गुरु 29/04/2043	शनि 04/06/2061	बुध 27/01/2070	केतु 04/04/2079
गुरु 25/09/2035	शनि 07/06/2044	बुध 04/04/2064	केतु 04/06/2070	शुक्र 03/12/2080
शनि 04/06/2038	बुध 04/06/2045	केतु 04/06/2065	शुक्र 04/06/2071	सूर्य 10/01/2081

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।